

# विष्णु विकास संस्था

मो0न0-8052085476

ग्राम-धुन्धपुर (अनौनी), पोस्ट-सौना, जिला-गाजीपुर

## प्रगति रिपोर्ट-2019

### महात्मा गातौम बुद्ध पर लेख

महात्मा बुद्ध शान्ती और अहिंसा के दूत बनकर इस पृथ्वी पर आये उस समय पुरा भारत हिंसा अशान्ति अविश्वास अर्धम और रूढ़िवादिता के बन्धनो में बंधा हुआ था। महात्मा बुद्ध एक युग प्रवर्तक के रूप में आये जिन्होने केवल भारत में अपितु विश्व के अनेक देशो में अपने ज्ञान की ज्योति जलायी। इस लिए उन्हें लार्ड आफ एशिया मे पुरुसकार दिया गया। महात्मा बुद्ध का जन्म सन् 569 पूर्व लुम्बिनी नामक स्थान पर हुआ था। वे कपिलवस्तु के पुत्र थे। उनका वचपन का नाम सिद्धार्थ था जन्म के समय ही विद्ववान ज्योतिषियों ने आगे चलकर उनके महान संग्रह एक महा सम्राट बनने की भविष्य वाणि कर दी थी। उनके पिता इन्हें एक चक्रवर्ती सम्राट बनाना चाहते थे राजा कपिलवस्त ने उन्हें राजसी टाट, वाट की सभी सुख सुविधाये महल में प्रदान कर दी थी। उनका विवाह यशोधरा नामक राजकुमारी से किया गया। जिससे राहुल नामक एक सुन्दर पुत्र उत्पन्न हुआ।

*Shree*

सहयोग प्राप्त होता है। संस्था द्वारा ग्रामीण क्षेत्रों में सरकारी एवं गैर सरकारी विकास कार्यक्रमों के प्रचार-प्रसार हेतु ग्राम-सवना में आयोजित किया गया तथा कार्यक्रमों के प्रति अभिरुचि पैदा करने के लिये ग्रामीणों की अधिकाधिक सहभागिता के निर्मित ज्ञानार्जन व रुझान हेतु संस्था द्वारा सांस्कृतिक कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम के अन्तर्गत परम्परागत संस्कृतिक व सभ्यता को दृष्टिगत रखते हुए लोकगीत, लोकनृत्य, लोकनाटक, लोक कविता पर आधारित प्रदर्शनी कार्यक्रम का आयोजन किया गया जिसमें ग्रामीण क्षेत्र के युवाओं ने उत्साहपूर्वक भाग लिया व अपनी कलाओं का उत्कृष्ट प्रदर्शन किया। साथ ही राष्ट्रीय पर्व जैसे 2 अक्टूबर व 26 जनवरी, 15 अगस्त पर संस्था कार्यकर्ताओं द्वारा संस्था कार्यालय पर बड़े ही धूमधाम से मनाया गया।

## 2 - व्यावसायिक प्रशिक्षण कार्यक्रम-

संस्था द्वारा महिलाओं के समग्र विकास की संकल्पना को मूर्त रूप देने हेतु विगत कई वर्षों से उन्हें आर्थिक रूप से मजबूत करने का प्रयास किया जा रहा है और इस क्रम में व्यावसायिक प्रशिक्षण उनके लिये बेहतर भूमिका का निर्वहन कर रहा है। संस्था द्वारा महिलाओं को सिलाई, बुनाई व व्यूटीशियन का प्रशिक्षण नवीन तकनीक के माध्यम से प्रदान किया गया ताकि उनका उपयोग कर वे बाजार में बेहतर डिजाईन के उत्पाद उत्तार सकें। महिलाओं ने इसमें तन्मयता से भाग लेकर प्रशिक्षण कार्य पूरा किया और सभी ने यह संकल्प लिया कि प्रशिक्षण के उपरान्त वे अपना स्वरोजगार स्थापित कर अपने आर्थिक विकास की दिशा तय करेंगी।

## 3 - साक्षरता एवं शैक्षिक कार्यक्रम-

संस्था द्वारा विकास खण्ड सैदपुर के ग्राम भभौरा में विद्यालय छोड़ चुकी किशोरियों/बालिकाओं के लिये 6 माह का साक्षरता कार्यक्रम के तहत प्रशिक्षित किया गया तथा उन्हें अगले वित्तीय वर्ष में विद्यालय में प्रवेश हेतु प्रेरित किया गया। साथ ही विकास खण्ड-सैदपुर अन्य 2 ग्राम पंचायतों के ग्रामीण क्षेत्र के अशिक्षित महिलाओं को साक्षर बनाने के लिये अभियान चलाया गया जिसमें उनको साक्षर बनाया गया। इस पूरे कार्यक्रम में 48 महिलाएं लाभान्वित हुईं। साथ ही बच्चों को दैहिकरीन शिक्षा के लिये नई तकनीकियों पर बनी शिक्षण सामग्री के आधार पर शिक्षा सुलभ कराने का प्रयास किया जाता है, ताकि बच्चों की सुशुभ शक्तियाँ जागृत होकर अपनी शारीरिक, मानसिक एवं अपना सम्पूर्ण विकास कर सकें।

## 4 - पर्यावरण जागरूकता कार्यक्रम-

आज भौतिक विकास के दौर में पर्यावरण संरक्षण बेमानी सा हो गया है, पूरा वैश्विक परिवेश पर्यावरण असन्तुलन की त्रासदी झेलने के लिये विवश है, जन-जीवन जहाँ गम्भीर रूप से प्रभावित हो रहा है वहीं प्राकृतिक आपदायें भी तरह-तरह से अपना विनाशकारी स्वरूप दिखाती रहती है और इन सबके पीछे केवल और केवल पर्यावरण असन्तुलन ही है, आज कभी महाडों

*Sana*

में रतेशियर पिघलने से समुद्र का जल स्तर ऊँचा उठकर सर्व विनाश का संकेत देता है तो कभी गर्मी कभी शीत लहर मानव जीवन के लिये ख़तरे की घण्टी बजा देता है, मौसम में भी चिन्ताजनक बदलाव देखने को मिल रहा है, परिणामस्वरूप आज पूरा विश्व पर्यावरण संरक्षण के लिये चिन्तित है। संस्थान द्वारा पर्यावरण संरक्षण की दिशा में विश्व पर्यावरण दिवस पर जनपद- मऊ के समनपुरा ग्राम में एक कैम्प का आयोजन कर लोगों को जागरूक करने का प्रयास किया गया है और लोगों को अपने स्तर से पर्यावरण संरक्षण हेतु सतत् प्रयत्नशील रहने की अपील की गयी, साथ ही संस्थान के अध्यक्ष महोदय ने ग्राम सभा में 5 पौधों का रोपण कर उपस्थित ग्रामवासियों से कम से कम 5-5 पौधे लगाकर पर्यावरण संरक्षण हेतु एक प्रभावी पहल करने का संकल्प कराया। कार्यक्रम में ग्राम सभा अध्यक्ष, संस्था के पदाधिकारी/सदस्यगण तथा 48 स्थानीय ग्रामवासियों की सहभागिता रही।

#### 5 - एड्स जागरूकता कार्यक्रम-

एड्स जैसे जानलेवा बीमारी से बचने के लिये संस्था द्वारा गांवों एवं कस्बों में जगह-जगह जागरूकता कार्यक्रम चलाकर लोगों को इस बीमारी से संबंधित जानकारी दी गयी एवं उसके बचाव के विभिन्न तरीकों/उपायों को अपना कर एड्स के रोकथाम की जानकारी दी गयी। इस कार्यक्रम में काफी लोगों ने प्रतिभाग किया एवं कार्यक्रम से लाभान्वित हुए। साथ ही विशेष तौर से इस बात पर बल दिया गया कि एड्स की रोकथाम जागरूकता से ही संभव है न कि उपचार से।

#### 6 - स्वास्थ्य कार्यक्रम-

आजकल दिनांदिन महिलाओं के साथ-साथ उनके बच्चों का स्वास्थ्य गिरता जा रहा है। इसका एकमात्र कारण माताओं को यह जानकारी नहीं है कि बच्चों को एवं स्वयं को किस परिवेश में रखना चाहिए और उन्हें किसी प्रकार स्वास्थ्य रहना चाहिए। माताओं व उनके बच्चों को पुष्टाहार में क्या-क्या भोजन लेना चाहिए। इस सब विषयों पर संस्था द्वारा इनके गांवों में प्रशिक्षित महिलाओं को ले जाकर उनके बच्चों एवं उन्हें पुष्टाहार एवं अनेकों प्रकार की बीमारियों की जानकारी दिलवाया गया। साथ ही महिलाओं को समाज में बराबर की भागीदारी हेतु शिक्षण, प्रशिक्षण, जनसम्पर्क व गोष्ठी के माध्यम से महिलाओं व बच्चों को कल्याणकारी योजनाओं के बारे में विशेष जानकारी दी गयी।

#### 7 - उपभोक्ता जागरूकता शिविर-

वर्तमान परिवेश में उपभोक्ता हितों के प्रति जागरूकता सृजन के उद्देश्य से संस्थान द्वारा गत वर्षों की भाँति इस वर्ष भी जनजागरण का कार्य सम्पन्न किया गया। संस्था ने शहरी व ग्रामीण क्षेत्रों में लोगों को एक उपभोक्ता होने के कारण उनके अधिकारों के बारे में जानकारी दी। लोगों



को इस हेतु राज्य व केन्द्र सरकार द्वारा बनाये गये कानून, जनपद व राज्य उपभोक्ता आयोग के कार्य व उनके द्वारा उपभोक्ता हित में किये गये विभिन्न निर्णयों से भी अवगत कराया गया।

#### 8- स्वयं सहायता समूहों का गठन-

वर्तमान समय में आवश्यकताओं को दृष्टिगत रखते हुए यह आवश्यक हो गया है कि ग्रामीण व शहरी दोनों क्षेत्रों में लोगों को इस हेतु प्रेरित किया जाय कि वे अपने विकास कार्यों के लिये स्वयं आगे आदें और अपनी सामाजिक-आर्थिक व शैक्षिक प्रगति हेतु अपने कर्तव्यों का निर्वहन करें। प्रदेश व केन्द्र सरकार के स्तर से स्वयं सहायता समूहों को विशेष प्राथमिकता प्रदान की जा रही है ताकि लोग अपने विकास की योजनाओं को स्वयं निर्मित कर उसे क्रियान्वित कर सकें। संस्था द्वारा भी महिलाओं हेतु जनपद-गाजीपुर में स्वयं सहायता समूहों का गठन किया गया जिसके अन्तर्गत उन्हें विभिन्न आर्थिक सम्बर्द्धन गतिविधियों की जानकारी प्रदान कर आगे आने का अवसर प्रदान किया गया।

#### 8- सिलाई प्रशिक्षण कार्यक्रम-

ग्रामीण क्षेत्र में जहाँ आज भी नवीन रोजगार के अवसरों की कमी है, वहाँ पर पिछड़ी ग्रामीण महिलाओं हेतु सिलाई, कढ़ाई का काम एक रोजगारपरक कार्य है और इसमें इस वर्ग की महिलाओं को घर में ही रहकर अपनी कला के बल पर आर्थिक स्थिति को मजबूत करने का अवसर मिलता है। अतः इन तथ्यों को दृष्टिगत रखते हुए संस्था द्वारा जनपद के ग्रामीण क्षेत्रों में पिछड़े वर्ग की महिलाओं को सिलाई-कढ़ाई का प्रशिक्षण कार्यक्रम का संचालन किया गया। महिलाओं ने इस कार्यक्रम को अत्यन्त उपयोगी बताया क्योंकि इसके माध्यम से उन्हें रोजगार के अवसर प्राप्त होंगे।

#### 9- महिला एवं बाल विकास कार्य-

विकास के क्रम में महिला एवं पुरुष दोनों का समान योगदान होता है। महिलाएँ विकास रूपा रथ की वह धुरी है जिनके बिना विकास रथ को आगे बढ़ाना असंभव नहीं आसान भी नहीं है। इस तथ्य के बावजूद आज महिलाओं को विकास के लिये अनवरत संघर्ष करना पड़ रहा है। संस्थान द्वारा इसके प्रकाश में जागरूकता शिविर के माध्यम से महिलाओं को स्वरोजगार संबंधी विभिन्न योजनाओं की जानकारी दी गयी।

संस्था के मुख्य कार्यकारी का नाम

सुमन पाण्डेय

प्रबन्धक/मंत्री



मो०नं०-8052085476, ~~8887778555~~

8052085476

9120616700

9670620664